M. T. B. COLLEGE, SURAT
Manuscripts Library

No. Ref. / Ser. 1186

Title: Svapnaschari Maha Mantra

1186

Complete

C

Title

Swapneschari Moha Mantra : ~~Author~~

: Title

: Editor

: Year, Vols.

SK : Publisher

1186 : Remarks

श्री गणेशाय नमः॥ अस्य श्री स्व
प्नेश्वरी महामंत्रस्य॥ पिप्पलाद
ऋषिः शिरसि॥ निचृद्गायत्री
छंदः मुखे॥ स्वप्नेश्वरी देवता हृ
दये॥ ॐ बीजं गुह्ये॥ श्रीं शक्तिः
पादयोः॥ स्वाहा श्रौं कीलकं नाभौ॥
मम स्वप्ने शुभाशुभ दृष्ट फलसि
द्ध्यर्थे जपे विनियोगः॥ अथन्या
सः॥ ॐ श्रीं अंगुष्ठाभ्यां नमः॥
स्वप्नेश्वरी तर्जनीभ्यां०॥ कार्यं म
ध्यमाभ्यां०॥ मे अनामिकाभ्यां०॥
वद कनिष्ठिकाभ्यां०॥ स्वाहा क
रतलकरपृष्ठाभ्यां०॥ एवं हृदया
दि॥ ध्यानं॥ वराभयेपद्मयुगं
दधानां करैश्चतुर्भिः कनकास
नस्थां॥ सीतांबरां शारदचंद्र
कांतां स्वप्नेश्वरीं नौमि विभूष
णाढ्यां॥१॥ इति ध्यात्वा मान
सोपचारैः संपूज्य योनिमुद्र
प्रणमेत्॥ त्रयोदश सहस्र
व्यापुरश्चरणं॥ दशांशेन
आज्येन होमः॥